प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को भगवान देवनारायण की जयंती के अवसर पर उनके धाम मालासेरी डूंगरी (भीलवाड़ा) पहुँचे। इस मौके पर प्र.मंत्री ने मालासेरी के मंदिर में हुई यज्ञशाला में आहूति अर्पित की। मंदिर के पुजारियों ने सबसे पहले पगड़ी पहनाकर प्र.मंत्री मोदी का स्वागत किया। पुजारियों ने प्र.मंत्री को जयपुर में बनी भगवान देवनारायण की चांदी की मूर्ति भेंट की। पूर्जा-अर्चना के बाद प्र.मंत्री मोदी ने वहां मौजूद विशाल जन समूह को भी संबोधित किया।

'मैं पूरे विरक्त भाव से आपकी ही तरह एक यात्री के रूप में आशीर्वाद लेने आया हूँ'

प्रधानमंत्री मोदी ने देव दर्शन कर गुर्जर समाज से जुड़ा होने का संदेश दिया

भीलवाड़ा/आसींद, 28 जनवरी (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को भीलवाड़ा जिले की आसींद विधानसभा क्षेत्र के मालासेरी डूंगरी की यात्रा पर आए। भाजपा की लाख कोशिशों के बावजूद मोदी की यह यात्रा धार्मिक कम और सियासी रंग में ज्यादा नज़र आई। प्रधानमंत्री के द्वारा कार्यक्रम में कोई घोषणा नहीं करने से जरूर लोगों में मायूसी का भाव दिखा पर उन्होंने गुर्जर समाज को अपने भाषण से गदगद जरूर कर दिया। वही कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने मोदी की सभा को चुनावी सभा करार दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मालासेरी डूंगरी में देवनारायण भगवान के दर्शन करने के साथ यज्ञ में भी भाग लिया और आहुति दी। मालासेरी डूंगरी में सभा स्थल पर मन्दिर के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल ने साफा बांध कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सवाई भोज के महंत सुरेशदास ने शॉल ओढ़ा कर मोदी का सम्मान किया। पुजारी पोसवाल ने प्रधानमंत्री को जयपुर में निर्मित कमल पर सवार भगवान देवनारायण की चांदी की मूर्ति भेंट की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देवनारायण भगवान का बुलावा आया तो मैं भी यहां आ गया। यहां अभी तक कोई प्रधानमंत्री नहीं आया है। मैं पूरे विरक्त भाव से आप की ही तरह एक यात्री के रूप में आशीर्वाद लेने आया हूं। मैं यहां विश्व कल्याण, देश व आम जन की खुशहाली की कामना लेकर आया हूं। अनवरत राष्ट्रसेवा व गरीबों के कल्याण के लिए काम करते रहने का आशीर्वाद लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुर्जर समाज शौर्य, पराक्रम व देशभक्ति का पर्याय रहा है। इक्कीसवीं सदी का कालखंड भारत के लिए अहम है। ऐसे में समाज को एकजुटता दिखाकर देश के विकास के लिए बढ़ना है।

मोदी ने भगवान देवनारायण को ऊर्जा का पुंज बताते हुए कहा कि उन्होंने लोगों के जीवन व संस्कृति की रक्षा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को तोड़ने की कोशिश कई बार की गई लेकिन भारत अटल, अजर, अमर है। उन्होंने कहा कि समाज व देश के कोटि कोटि की शक्ति की वजह से ही हमारी ताकत

- **उन्होंने राजस्थान में शौर्य और बलिदान को प्रणाम किया और कहा, तेजाजी, पाबूजी, गोगाजी, जननायकों ने हमेशा देश को रास्ता दिखाया है'**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए, गुलामी की मानसिकता को भुलाकर विकास और बदलाव के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।**
- **कांग्रेस नेता धीरज गुर्जर ने प्रधानमंत्री की सभा को चुनाव सभा बताया।**

मजबूत हुई है। उन्होंने भगवान देवनारायण की स्तुति की और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ व एकजुटता पर उनके योगदान को नमन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए, गुलामी की मानसिकता को भुलाते हुए विकास व बदलाव के पथ पर बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने राजस्थान के शौर्य व बलिदान को प्रणाम किया और कहा कि तेजाजी, पाबूजी, गोगाजी, जननायकों ने हमेशा देश को रास्ता दिखाया है। इसमें भी गुर्जर समाज का अपना अहम योगदान है। समाज ने शौर्य के प्रहरी की भूमिका निभाई। उन्होंने रामबाई व पन्नाधाय को भी याद किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 21 वीं सदी का यह कालखंड विकास के लिए अहम है। भारत ने जिस प्रकार से अपना दमखम दिखाया है, उसने इस धरती का भी गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा, भगवान देवनाराण के आशीर्वाद से हम अपना परचम समूचे विश्व में लहराएंगे।

इससे पूर्व हैलीपेड पर पीएम मोदी का केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, भाजपा प्रभारी चंद्रशेखर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, सांसद सुभाष बहेड़िया, कर्नाटक राज्यपाल के ओएसडी शंकरलाल गुर्जर ने अगवानी की। विधायक कैलाश मेघवाल, विट्ठल अवस्थी, गोपीचंद मीणा, जब्बरसिंह सांखला, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, सभापति राकेश पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष लादूलाल तेली, रोशन मेघवंशी ने स्वागत किया। देश के विभिन्न भागों से गुर्जर समाज सहित अन्य समाजों से लोग इस जनसभा का हिस्सा बने।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, और बीज निगम चेयरमैन (राज्यमंत्री) धीरज गुर्जर ने प्रधानमंत्री की सभा को लेकर ट्वीट करते हुए कटाक्ष किया और सभा को चुनावी सभा करार देते हुए कहा कि यह सभा गुर्जर समाज की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। गुर्जर समाज को आरक्षण की मांग पर 9 वीं अनुसूची पर मोहर लगने, गुर्जर रेजिमेंट की घोषणा होने की उम्मीद थी लेकिन गुर्जर समाज के हाथ खाली रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह सभा पूर्ण रूप से चुनावी सभा नजर आ रही थी।

पाकिस्तान के मददगार दो मित्र देशों ने कश्मीर को भूल जाने की नसीहत दी

सऊदी अरब और यू.ए.ई ने कहा है कि, हम कश्मीर पर पाकिस्तान का सार्वजनिक रूप से साथ नहीं दे सकते

नई दिल्ली, 28 जनवरी। तंगहाली से परेशान पाकिस्तान को उसके दो दोस्त मुस्लिम देशों ने भी दो टूक कह दिया है कि अब कश्मीर का राग अलापना बंद कर दे। हम कश्मीर पर आपका सार्वजनिक रूप से साथ नहीं दे सकते हैं। बेहतर यही है कि कश्मीर को भूल जाओ और भारत के साथ दोस्ती करो। पाकिस्तान को यह नसीहत उन दो मुस्लिम देशों ने दी है, जो कंगाल पाकिस्तान को बड़ी इमदाद देते रहे हैं।

उच्चैन क्षेत्र में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसमें आग लगी हुई थी। विमान के गिरने के समय तेज धमाका हुआ और विमान का अगला हिस्सा जमीन में काफी गहराई तक अंदर घुस गया। विमान के पिछले हिस्से के टुकड़े काफी दूर तक बिखर गए। इसके बाद ग्रामीणों ने मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि ग्वालियर एयरबेस से दो लडाकू एयरक्राफ्ट सुखोई 30 और मिराज 2000 रूटीन उडान पर थे। इसी दौरान मुरैना एमपी में दोनों विमान क्रेश हो गए। इसमें मिराज 2000 आग लगने के बाद एमपी में मुरैना के पास ही जंगल में गिर गया। दूसरा विमान सुखोई 30 करीब 100 किलोमीटर दूर भरतपुर जिले के उच्चैन क्षेत्र के गांव चक नगला बीजा में गिर गया। विमान में आग लगने के बाद दमकल की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया। सेना के जवानों ने घटनास्थल को अपने कब्जे में लेते हुए जेसीबी की सहायता से मलबे में पायलट की तलाश की। पर मलबे किसी के अवशेष नहीं मिले। तो अधिकारियों ने राहत की सांस ली। सेना के जवानों ने विमान के पायलट व ब्लैक बॉक्स की तलाश के लिए समीपवर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान शुरु किया। देर शाम तक पुलिस, प्रशासन व सेना के अधिकारी मौके पर ही जांच पडताल करते नजर आए। विभागीय सूत्रों की मानें तो ग्वालियर एयरबेस से सुखोई 30 व मिराज फाइटर जेट विमान ने उडान भरी। लेकिन उडान भरने के कुछ देर बाद ही मुरैना के समीप दोनों विमान आपस में टकरा गए, जिससे उनमें आग लग गई। आग लगने से हुए हादसे में मिराज विमान के पायलट की मौत हो गई। जबकि, सुखोई 30 में सवार दोनों पायलट विमान से नीचे कूद गए। जिसकी वजह से विमान ऑटो पायलट मोड़ पर हो गया। ऑटो पायलट मोड सुखोई 30 विमान भरतपुर जिले में उच्चैन थाना क्षेत्र के गांव नगला चक के समीप आकर जमीन पर गिरा।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तान से यह भी कहा है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने को लेकर पाकिस्तान जो हो हल्ला कर रहा है, उस पर शहबाज सरकार को चुप्पी साधना चाहिए। दरअसल, यूएई तो पाकिस्तान की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश करने जा रहा है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के जर्नलिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान अब तक कश्मीर को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी में अक्सर हो हल्ला मचाता रहा है। इसी ओआईसी का सबसे ताकतवर देश है सऊदी अरब। सऊदी अरब ने भी पाकिस्तान को साफ साफ कह दिया है कि वह कश्मीर के मामले पर पाकिस्तान का साथ नहीं देगा।

दरअसल, पाकिस्तान यूएन से लेकर हर मंच पर कश्मीर का मामला उठाता रहता है। मुस्लिम देशों के संगठन में भी उसने अपनी वही पुरानी मांग हमेशा रखी है।

इस पर अब सऊदी अरब ने साफ कह दिया है कि ओआईसी कश्मीर को लेकर पाकिस्तान का साथ नहीं देगा। सऊदी अरब और यूएई की इस नसीहत के बाद पाकिस्तान के सामने अब यह स्थिति है कि वह या तो अर्थव्यवस्था को बचाए या फिर कश्मीर का राग अलापता रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सऊदी अरब और यूएई दोनों ही भारत के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हो गए हैं। भारत चाहता है कि ये दोनों ही देश कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश करें और पैसा कमाएं। सऊदी और यूएई दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्था को तेल की बजाय अन्य क्षेत्रों से कमाई करके मजबूत करना चाहते हैं। ऐसे में उन्हें भारत में अपने अच्छे भविष्य की पूरी संभावनाएं नजर आती हैं। सऊदी और यूएई के कई कारोबारी कश्मीर को लेकर हुई बैठक में शामिल हुए थे। इससे पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा था, जो कश्मीर को विवादित इलाका बताता रहा है। यूएई और सऊदी अरब ने हाल के समय में स्पष्ट कर दिया है कि हम भारत के साथ रिश्ते को अहमियत देते हैं। उन्होंने यह भी प्रस्ताव दिया कि हम भारत के साथ आपके विवाद को खत्म करा सकते हैं।

इसी वजह से शहबाज शरीफ ने अपने यूएई दौरे पर भारत के साथ रिश्ते सुधारने के लिए गुहार लगाई थी और यूएई से मदद के लिए मिन्नतें की थीं।

राहुल गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुँचने वाली सभी सड़कें सुरक्षा-बलों ने सील कर दी थीं। केवल अधिकृत वाहन तथा पत्रकार को ही उस स्थान तक पहुँचने दिया जा रहा था।

बहुत उच्च स्तर के सुरक्षा-उपायों के हिस्से के रूप में, गांधी के चारों तरफ त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरे की भी व्यवस्था की गई थी। दक्षिण कश्मीर जिले के चुरसू क्षेत्र में यात्रा के उत्साही समर्थकों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया।

गांधी के स्वागत के लिये तिरंगा झंडा एवं पार्टी का झंडा लिये कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थकों की बहुत बड़ी संख्या में वहाँ एकत्रित थे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यात्रा आज शाम को श्रीनगर के बाहर स्थित पंथा चौक पहुँच जायेगी। वहाँ पहुँचने से पहले, यात्रा पम्पोर के गलन्दर क्षेत्र में स्थित बिड़ला स्कूल के पास ही रुकेगी। यह यात्रा का एकमात्र स्टॉप होगा।

यहाँ रात गुजारने के बाद, यात्रा रविवार की सुबह पंथा चौक से रवाना हो जायेगी तथा शहर की वोलेवर्ड रोड पर स्थित नेहरू पार्क के पास अपनी चरम स्थिति पर पहुँचेगी।

सोमवार को गांधी श्रीनगर की एम.ए. रोड पर स्थित पार्टी मुख्यालय पर तिरंगा झंडा फहरायेंगे। इसके बाद, वे शहर के एस.के. स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे जिसके लिये 23 विपक्षी राजनैतिक दल आमंत्रित किये गये हैं।

इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर, उनसे जम्मू-कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के मामले में हस्तक्षेप करने की माँग की है।

उन्हें शाह को यह पत्र उस घटना के बाद लिखा है, जब "सुरक्षा-खामी" के बाद, शुक्रवार को अपरान्ह सत्र के लिये निलंबित कर दी गई थी।

गृह मंत्री को लिखे पत्र में, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा हे, "अगर आप इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करते हुये, संबंधित अधिकारियों को, यात्रा के अपने चरम पर पहुँचने तथा 30 जनवरी को श्रीनगर में होने वाले कार्यक्रम तक के लिये, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने की सलाह दे सकें तो मैं आपका आभारी रहूँगा।"

उन्होंने आगे लिखा है, "हम अगले दो दिन यात्रा में शामिल होने तथा सोमवार को होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए भारी भीड़ इकट्ठी होने की आशा कर रहे हैं। इस समारोह में, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा अन्य महत्वपूर्ण राजनैतिक दलों के नेता भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।"

मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान किया गया

राष्ट्रपति भवन में सुसज्जित गार्डन को अंग्रेज शासकों ने मुगल गार्डन नाम दिया था

नई दिल्ली, 28 जनवरी। राष्ट्रपति भवन में स्थित मुगल गार्डन का नाम बदल दिया गया है। मीडिया में आई जानकारी के अनुसार, अब मुग़ल गार्डन को अमृत उद्यान के नाम से जाना जायगा। सरकार ने अमृत महोत्सव के तहत गार्डन का नाम बदला है। बता दें कि इस गार्डन में तरह-तरह के फूल होते हैं। वहीं इस बारे में सूचना देते हुए राष्ट्रपति के उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने कहा, "स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन के बगीचों को अमृत उद्यान के रूप में एक सामान्य नाम दिया है।"

5 एकड़ के विशाल विस्तार में फैले, राष्ट्रपति भवन में स्थित मुगल गार्डन के लिए जम्मू और कश्मीर के मुगल गार्डन, ताजमहल के आसपास के बगीचों और यहां तक कि भारत और फारस के लघु चित्रों से प्रेरणा ली गई है। जैसे राष्ट्रपति भवन की इमारत में वास्तुकला की दो अलग-अलग शैलियां हैं- भारतीय और पश्चिमी, उसी तरह, मुगल गार्डन में दो अलग-अलग बागवानी परंपराएं हैं, जिसमें मुगल शैली और अंग्रेजी फूलों का बगीचा शामिल है। मुगल नहरों, छतों और फूलों की

- **आजादी के 75वें वर्ष पर मनाये जा रहे अमृत महोत्सव के मौके पर केन्द्र सरकार ने मुगल गार्डन जो अंग्रेजी हुकूमत की निशानी मानी जाती है, का नाम बदलने का फैसला किया है।**

झाड़ियों को यूरोपीय फूलों, लॉन और निजी हेजेज के साथ खूबसूरती से मिश्रित किया गया है। हर्बल गार्डन आदि के अलावा विभिन्न प्रकार के गुलाब, टुलिप और हर्बल गार्डन मुगल गार्डन के प्रमुख आकर्षण हैं।

इकोनॉमिक नीतियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और उनमें से तीन लोगों की अन्यायपूर्वक हत्या की गई। अक्टूबर 2022 में ईश निंदा को लेकर दो जने मारे गए। इसे पहले के वर्ष में पाकिस्तान के कोर्ट ने वाट्सऐप पर ऐसी इमेजेज शेयर करने पर एक औरत को मौत की सजा सुनाई थी, जिन्हें पैगम्बर मोहम्मद का अपमान माना गया। पाकिस्तान का दावा: "एक गुंजायमान लोकतंत्र के रूप में, पाकिस्तान मौलिक स्वतंत्रताओं को बनाये रखना जारी रखेगा, जिनमें लोगों की जरूरतें पूरा करना तथा उनकी अभिव्यक्ति, समा करने तथा एसोसिएशन बनान के आज़ादी के अधिकारों को जारी रखने के लिये अनुकूल वातावरण उपलब्ध करना शामिल है।" वास्तविकता: पाकिस्तान को "फ्रीडम हाउस" ने "आंशिक रूप से स्वतंत्र" रैंक देते हुये बहुत कम 37/100 अंक दिये हैं। इसका अर्थ है कि पाकिस्तान "स्वतंत्र लोकतंत्र" नहीं है। इस रैंकिंग के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सेना का प्रभाव, इस्लामिक उग्रवादियों के हमले तथा नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध आदि शामिल हैं। पाकिस्तानी पत्रकार ताहा सिद्दीकी के अनुसार, देश का कथित लोकतंत्र "एक दिखावा" है तथा असल में पाकिस्तान एक संकर देश है, जहाँ सेना, पर्दे के पीछे रहकर, सरकार पर अपना नियंत्रण रखती है। दिसम्बर 2021 में यू.एन. के अनेक विशेषज्ञों ने इस बात की निंदा की थी कि सैन्य अदालत ने मानवाधिकार ऐक्टिविस्ट इदरीस खट्टक को सजा दी थी। इन विशेषज्ञों ने दृढ़तापूर्वक कहा था कि खट्टक की गिरफ्तारी तथा सजा "मानवाधिकारों के संरक्षकों तथा मुखर सिविल सोसायटी नेताओं को खामोश करने की चेतावनी देने वाली तरीकों का एक हिस्सा" थी। पाकिस्तान का दावा: "पाकिस्तान स्वतंत्र मीडिया की भूमिका का सम्मान करता है।"

असलियत: रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आर.एस.एफ.) मीडिया की आज़ादी के लिये 180 देशों 157 वाँ स्थान देती है तथा इस मामले में वह 15 प्रतिशत के साथ बिल्कुल नीचे है।

"फ्रीडम हाउस" के अनुसार, पाकिस्तान में मीडिया सिविलियन अथॉरिटीज तथा सेना- दोनों के ही निशाने पर रहता है। पत्रकारों पर सेना के एजेन्टों ने जघन्य हमले किये हैं और भी प्लान्ड गवर्नमैंट रेग्यूलेटर- पाकिस्तान मीडिया डवलपमैंट अथॉरिटी के पास नियमों को तोड़ने पर पत्रकारों को दंड देने का अधिकार है। आर.एस.एफ. का मानना है कि पाकिस्तान पत्रकारों के लिये विश्व के सबसे घातक देशों में से एक है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में पाकिस्तान में कम से कम दो पत्रकार मार डाले गये। एक पत्रकार, "पाकिस्तान डेली" के संपादक हम्ज़ा अजहर सलाम को 2023 में धमकी मिल ही चुकी है।

प्रधानमंत्री की डॉक्यूमैन्टरी पब्लिक करने की टाइमिंग पर सवाल उठाये केरल के राज्यपाल ने

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि, भारत इस वक्त जी-20 का अध्यक्ष बना है और डॉक्यूमैन्टरी लाने के लिए इस विशेष वक्त को चुना गया है

नई दिल्ली, 28 जनवरी। प्रधानमंत्री मोदी पर बनी बी बी सी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया: द मोदी क्वेश्चन' को लेकर चर्चा लगातार जारी है। इस ही बीच केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सवाल किया है कि इस डॉक्यूमैन्टरी के निर्माताओं ने ब्रिटिश अत्याचारों पर डॉक्यूमैन्टरी क्यों नहीं बनाई? उन्होंने कहा कि भारत दुनिया भर में इतना अच्छा कर रहा है इसलिए ये लोग निराश महसूस कर रहे हैं। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि उन्हें कुछ लोगों के लिए दुख है क्योंकि वे न्यायपालिका के फैसलों पर नहीं बल्कि एक डॉक्यूमेंट्री पर भरोसा कर रहे हैं।

- **राज्यपाल ने कहा, यह डॉक्यूमैन्टरी बनाने वाले भी वही लोग हैं जिन्होंने कहा था कि, भारत टुकड़ों में बंट जाएगा और अपनी आजादी नहीं संभाल पाएगा।**

केरल के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री मोदी पर बनाई गयी डॉक्यूमेंट्री को लेकर सवाल किया कि यह वह समय है जब भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाली है। इस डॉक्यूमेंट्री को लाने के लिए इस विशेष समय को क्यों चुना गया है? आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, 'यह वह समय है जब भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाल रहा है। इस डॉक्यूमेंट्री को रिलीज करने के लिए खास समय क्यों चुना गया है। यह डॉक्यूमेंट्री बनाने वाले भी वो लोग हैं जिन्होंने कहा था कि भारत टुकड़ों में बंट जाएगा और अपनी आजादी नहीं संभाल पाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग को लेकर जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के बाद जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय और अंबेडकर यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन सामने आया था। जामिया के बाद बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय में कला संकाय के बाहर प्रदर्शन कर रहे जे एन यू के छात्रों और सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

जे एन यू में प्रधानमंत्री मोदी पर आधारित बीबीसी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के आ ान के मद्देनजर वहां सी आर पी सी की धारा 144 लगा दी गई थी। इससे पहले जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्क्रीनिंग से पहले बिजली काटे जाने और पथराव की खबर भी सामने आई थी।

'फोटो वायरल करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जनवरी को इस बात की सूचना छात्रा के भाई ने अपने चाचा को दी। इस पर चाचा समझाने के लिए राजू के घर गया।

शाम करीब 5 बजे चाचा वापस लौटा और घर में बने मालिया का गेट खोलने का प्रयास किया। छात्रा ने दरवाजा नहीं खोला। इस पर दरवाजा तोड़ा तो छात्रा कमरे में पंखे से फंदा लगाकर लटकी मिली।

लड़की के भाई ने पुलिस को बताया कि कुछ समय से राजू पुत्र दयाराम राहड़ व सोनू पुत्र रामकुमार सहू निवासी गांव कुंजी, तहसील भादरा, उसे स्कूल जाते समय पीछा करते, अश्लील हरकतें व टीका-टिप्पणी करके परेशान करते थे।

भादरा थाने में दर्ज प्रकरण के अनुसार छात्रा अपने भाई के साथ मोटरसाइकिल पर स्कूल जाती थी।

पुलिस ने धारा 354 डी, 306, 34 भारतीय दंड संहिता व 11/12 पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थरूर एक बार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने इस डॉक्यूमैन्टरी पर रोक लगा दी। कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाने का निर्णय इसलिये लिया ताकि भाजपा सरकार द्वारा लगाई गई सेंसरशिप जग जाहिर हो सके। हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिये तथा लोगों के विचारों को स्वीकार किया जाना चाहिए।"

कैप्टन अमरिन्दर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। वे अपने गृह चुनाव क्षेत्र पटियाला की जिम्मेदारी अपनी पुत्री जय इन्दर कौर को पहले ही सौंप चुके हैं।

उनके खेमे के लोगों का कहना है कि हो सकता है कि वे महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद स्वीकार न करें क्योंकि उनकी प्रबल इच्छा पंजाब की राजनीति में बने रहने की है।

भाजपा सूत्रों ने कहा कि पार्टी की इस बात में कोई रुचि नहीं है कि अमरिन्दर पंजाब में पार्टी का नेतृत्व प्राप्त करना चाहते हैं क्योंकि विधानसभा चुनावों में उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा था तथा 2022 के चुनावों में वे पहली बार अपने गृह क्षेत्र में हार गये थे।

चूँकि पंजाब में, इस बुर्जुग नेता का उल्लेखनीय जनाधार है, इसलिये भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने दो दिन पूर्व उन्हें कोई उपयुक्त पद देने पर विचार किया था।

'सेना अपने किसी भी ऑपरेशन को अंजाम देते वक्त सबूत के बारे में नहीं सोचती'

नई दिल्ली, 28 जनवरी। सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े करने पर सेना की ओर से दो टूक कहा गया है कि किसी भी ऑपरेशन को अंजाम देते समय सेना सबूत के बारे में नहीं सोचती। पाकिस्तान में 2016 में किए गए सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत की कुछ विपक्षी नेताओं की मांग के बीच थलसेना का यह बयान आया है। थलसेना की पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल आर पी कालिता ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी अभियान को अंजाम देते समय सेना कभी भी कोई सबूत रखने के बारे में नहीं सोचती।

कुछ विपक्षी नेताओं की हाल की मांगों पर कोलकाता में पत्रकारों के एक राजनीतिक सवाल का जवाब देने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि देश भारतीय सेना पर भरोसा करता है। प्रेस क्लब, कोलकाता में "प्रेस से मिलिए" कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "यह एक राजनीतिक सवाल है। इसलिए मैं इस पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करता। मुझे लगता है कि देश भारतीय सशस्त्र बलों पर भरोसा करता है।" यह पूछे जाने पर कि क्या अभियान के दौरान सेना कोई सबूत रखती है, उन्होंने 'न' में जवाब दिया। उन्होंने कहा, "जब हम कोई अभियान करने जाते हैं, तो हम उस अभियान का कोई सबूत नहीं रखते।" कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने हाल में जम्मू में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सीमा पार सैन्य अभियान पर संदेह व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था, "वे (केंद्र) सर्जिकल स्ट्राइक और कई लोगों को मारने की बात करते हैं, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है। वे झूठ का पुलिंदा दिखाकर शासन कर रहे हैं।" हालांकि, कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह उसके रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती तथा पार्टी देश के हित में सभी सैन्य कार्रवाइयों का समर्थन करती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सिंह की टिप्पणियों को "हास्यास्पद" करार दिया था और कहा था कि सशस्त्र बल अपना काम "असाधारण तरीके से" कर रहे हैं।

नर्सिंग होम में आग लगी

रांची, 28 जनवरी। झारखण्ड में एक अस्पताल आग का गोला बन गया। धनबाद में देर रात निजी अस्पताल में आग से डॉक्टर दंपति समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई। डॉक्टर अपने परिवार के साथ हॉस्पिटल के फर्स्ट फ्लोर पर रहते थे। बताया जा रहा है कि सबसे पहले स्टोर रूम में आग लगी इसके बाद आग फैलती ही चली गई। हादसे के वक्त सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद के आरसी हाजरा मेमोरियल अस्पताल के आवासीय परिसर में आग लगने से हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है।

छात्रा ने हॉस्टल में फांसी लगाई

मालपुरा, 28 जनवरी (निसं)। केन्द्रीय विश्व विद्यालय बांदरसिंदरी अजमेर में अध्ययनरत माईक्रो बायॉलजी प्रथम वर्ष की छात्रा व बैडमिंटन प्लेयर सलोनी पुत्री रामकिशोर साहु ने विश्व विद्यालय के ब्लॉक नम्बर 4 गर्ल्स हॉस्टल में पंखे से फांसी के फंदे पर झूल

- **केन्द्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी में पढ़ रही सलोनी बैडमिंटन प्लेयर भी थी। छात्रा के पास अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट भी मिला है।**

आत्महत्या कर ली। छात्रा लाम्बा हरिसिंह गांव की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार छात्रा के पास अंग्रेजी में लिखा हुआ सुसाईड नोट भी मिला है जिसकी जांच बांदरसिंदरी थाना पुलिस कर रही है। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात दस बजे टेलीफोन पर उन्हें घटना की जानकारी मिली। परिजनों के हॉस्टल पहुंचने पर वॉर्डन व साथी छात्राओं ने बताया कि शुक्रवार की रात तकरीबन 9 बजे साथी छात्राएं खाना खाने व अन्य काम से कमरे से निकली थी। लेकिन सलोनी कमरे में ही रह गई और फिर सलोनी ने चुन्नी से फंदा बनाकर पंखे पर लटक कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। साथी छात्राओं ने वापस लौट कमरे का दरवाजा बंद देखा तो आवाज़ लगाई और कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्हें अनहोनी का अंदेशा हुआ तो पास की बालकॉनी से कमरे में देखा तो सलोनी फांसी के फंदे से झूली हुई नज़र आई। पुलिस ने शव को फंदे से उतार राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल पहुंचाया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908